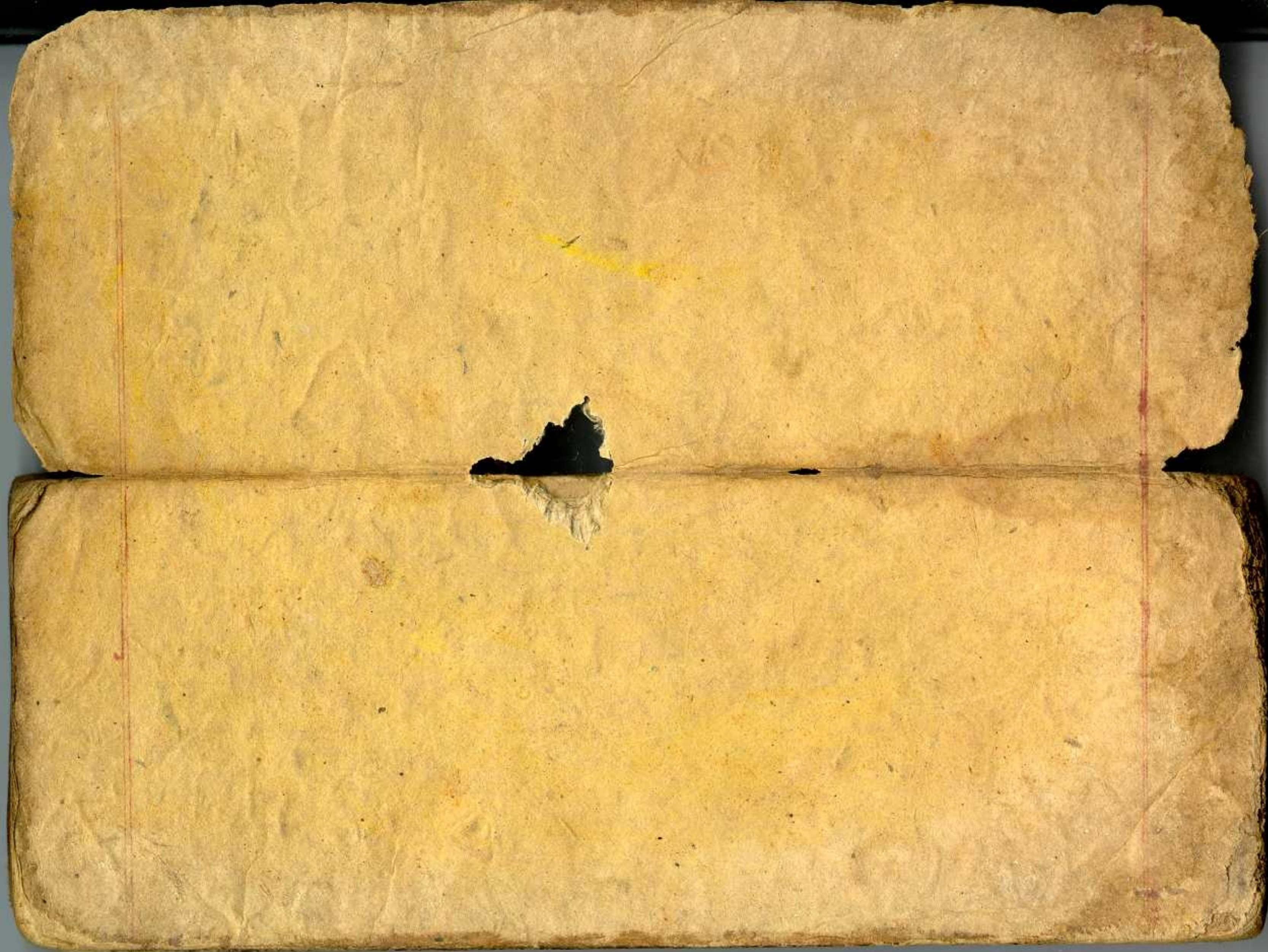


१ उल्लसयद्वा
१ उल्लसयद्वा



वक्रनेत्र॥ ॥ सुं धौं सुं रुद्रकायधीयाद ॥ वक्रविन्दुवो ॥ ॥ सुं दूँ कथित
कायमम ॥ ॥ वामनय ॥ ॥ सुं धौं सुं तल्लकवकायधीयाद ॥ दक्रनय ॥ ॥
सुं कौं तार्कवकायनम ॥ वामनासीयत ॥ ॥ सुं धौं सकवकायधीयाद ॥ दक्र
नासीयत ॥ ॥ सुं कुं हयवक्रधीयाद ॥ वाम कर्ष ॥ ॥ सुं गुं गजवक्रधीया
द ॥ दक्र कर्ष ॥ ॥ सुं दूँ कालिवक्रधीयाद ॥ आयक ॥ ॥ एव वक्रव्यास ॥
॥ ॥ सुं सुं सुं ॥ वक्रनेत्र ॥ ॥ सुं सुं सुं विखास्तधीयाद ॥ सुं सुं सुं ददय

धीयाद ॥ सुं सिं सुं नासोधीयाद ॥ सुं धिं सुं दक्रिषनयधीयाद ॥ सुं कं सुं वामनय
धीयाद ॥ सुं नौं सुं वामनाभयधीयाद ॥ सुं लौं सुं दक्रिषनासीयधीयाद ॥
सुं दौं सुं वामकर्षधीयाद ॥ सुं कुं सुं दक्रिषकर्षधीयाद ॥ सुं दूँ सुं सिंगधी
याद ॥ सुं धौं सुं युधधीयाद ॥ सुं सुं सुं कुमधधीयाद ॥ सुं नं सुं वक्रनेत्रधी
याद ॥ सुं मं सुं तलाटददयार्कधीयाद ॥ सुं ह्यौं सुं मरुकायादार्कधीयाद ॥
एतद्वदव्यास ॥ ॥ तताशक्रव्यास ॥ सुं नासोधीयाद ॥ दौं ददययाद ॥

ॐ विद्महाद ॥ ॐ ॥ ॐ द्रव्ययाद ॥ ॐ नातोयाद ॥ ॐ यातोयाद ॥ ॐ कैदया
 द ॥ ॐ मूलानयाद ॥ ॐ वक्रनेधयाद ॥ ॐ कर्मधयाद ॥ ॐ वामगाध
 याद ॥ ॐ दक्षिणगाध ॥ ॐ याद ॥ ॐ नासा ॥ ॐ याद ॥ ॐ उद्धा ॥ ॐ याद
 ॥ ॐ अक्षदन्धयाद ॥ ॐ जिह्वा ॥ ॐ याद ॥ ॐ अधनयाद ॥ ॐ कर्धया
 द ॥ ॐ हाददयपनि ॥ ॐ तिघनरुदयास ॥ ॐ ॐ कयातविध्वं
 यूधय २ स्वाहा ॥ वामदहा ॥ ॐ ॐ आयाधममधकृतकद २ स्वाहा ॥

वामदहमनिर्वीध ॥ ॐ ॐ अक्षधनकद २ स्वाहा ॥ वामकूर्यन ॥ ॐ ॐ मृतः
 वा ॥ लनमादय २ स्वाहा ॥ वामक ॥ ॐ ॐ विधूततद्यातय २ स्वाहा ॥ दक्र
 दहा ॥ ॐ ॐ आदकनताउय २ स्वाहा ॥ दक्रमतिवा ॥ ॐ ॐ मूकल
 नचूधय २ स्वाहा ॥ दक्रकूर्यन ॥ ॐ ॐ खलीगनयाधदन २ स्वाहा ॥
 दक्र ॥ ॐ ॐ तिघनरुदयास ॥ ॐ ॐ कृतयगमूधुधीयाद ॥ वामयादतला ॥
 ॐ ॐ उतायगमूधुधीयाद ॥ वामयादीगुतोद्यायनयगमूधुधीयाद ॥ वामयादी

ॐ ॐ

गुलिनखं॥ ॥ ऊँऊँ कतियूगमधुसूदनधीयाद॥ वामयादायनि॥ ॥ ऊँऊँ
आग्नेयदमधुसूदनधीयाद॥ दक्षिणयादतन॥ ॥ ऊँऊँ ययवृद्धमधुसूदनधीयाः
द॥ दक्षिणादीगुनी॥ ॥ ऊँऊँ सामवेदमधुसूदनधीयाद॥ दक्षिणादीगुतीकः
खं॥ ॥ ऊँऊँ अथर्वेदमधुसूदनधीयाद॥ दक्षिणादायनि॥ ॥ ऊँऊँ ऋतुमधु
सूदनधीयाद॥ वामगुरु॥ ॥ ऊँऊँ वह्निमधुसूदनधीयाद॥ दक्षिणगुरु॥
ऊँऊँ यममधुसूदनधीयाद॥ वामयादि॥ ॥ ऊँऊँ नैऋत्यमधुसूदनया

द॥ दक्रया वि॥ ॥ ॐ ॐ ववृषमृधुसनयाद॥ वाम ऊँ ध॥ ॥ ॐ ॐ वाय
 मृधुसनयाद॥ दक्र ऊँ ध॥ ॥ ॐ ॐ धनदयमृधुसनयाद॥ वाम ऊँ धाय
 नि॥ ॥ ॐ ॐ ॐ धनमृधुसनयाद॥ दक्र ऊँ धाय नि॥ ॥ ॐ ॐ अनकम
 धुसनयाद॥ वाम जाना॥ ॥ ॐ ॐ वक्रमृधुसनयाद॥ वाम जाना य नि॥
 ॥ ॥ ॐ ॐ हृदिमृधुसनयाद॥ वामान॥ ॥ ॐ ॐ पुतयमृधुसनयाद॥
 दक्र उव॥ ॥ ॐ ॐ वक्रयतासनयाद॥ वाम क दी॥ ॥ ॐ ॐ वक्रयता

[illegible]

नवावसंतीनी चिकनाखस्वमिधी। निनालवनिमाकावा निवा। धनोयनः
धनि॥ सर्वोप्रायधनानि। सातिधनं नृपमधु॥ मदायातिमृदादधनयत॥
कुंदां॥ मदायातिमृदादेष्टायादे॥ ॥ अत॥ नीलवर्धुमदाकाती विमरवाने
वलायता॥ योतुदक्रिधवकुं मरुनयावकायम॥ मधुनचित्तनगोध्य जेषः
वाद्रतनद्वना॥ धिगलाद्वजयताय वडाद्वकृत। धावना॥ सफाविधतिमः
धुध नकविपूषसयता॥ अति कृधुन। धाया मोलिकयालमातिनी॥

किं किं नीयुनावा वानयधवनाकमा। निवायवापमावृता मरु। धानित
निमृना॥ ॥ लोयावकविमृध नृधनधदाधिव॥ योतकृधधमनकधुः
माता। धतकालिका॥ वडादेधुवकृधकि धूलखदीगधनधी॥ तऊतीम
खतिक्रिया निवाधमाविलायता॥ वद्वयमाहनादवी यीनानतयथाधना
॥ यामदधकयालन नकयूधुनि। धातना॥ अत्रयति विधुनके मधवद
क्रि। धकन॥ वडाउदक्रि। धातन अकृधमरुनतथा॥ यामयाधनखदीगः

कचयव. लिंगयाश्चमनक ॥ ततः पूजादानय धृताय ॥ ॥ ॐ १ श्रीगुरुं
धामसदासलु देहिनी अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धामसदासलु धृषाका
लिअम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम कालिनीकालि अम्बायाद दूकं न
मः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम गंधात्रिधाकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं
धाम गमधनिकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम मायाकालि अ
म्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम सदासायाकालि अम्बायाद दूकं नमः

मः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम नित्याकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम तका
लिअम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम सदासलु विद्याकालि अम्बायाद दूकं
नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम सदासलु उमानदिनीकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ
१ श्रीगुरुं धाम सदासलु विद्यानदिनीकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम
सदासलु सुरगम नदिनीकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम सदास
लु युनानदिनीकालि अम्बायाद दूकं नमः ॥ ॐ १ श्रीगुरुं धाम सदासलु

ॐ धीं दूं महाशक्तिमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महाकठमूर्तिकालिअम्ब
याद ॥ ॐ धीं दूं महाकलियुद्धमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महामधुमू
र्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महानायकीमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं नासवी
मूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महाभक्तमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महा
सदस्यमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महाबावमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं
महाशोषमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महाज्ञानमूर्तिकालिअम्बायाद ॥

ॐ धीं दूं आतिमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महातत्वमूर्तिकालिअम्बायाद ॥
ॐ धीं दूं महावीरमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं कालान्तमूर्तिकालिअम्बाया
द ॥ ॐ धीं दूं महाज्ञानमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महाध्यानमूर्तिकालिअम्बा
याद ॥ ॐ धीं दूं गणकीमूर्तिकालिअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महानाकसीमूर्तिकालिअ
म्बायाद ॥ ॥ जतादक्रिध यद्विमयकी ॥ ॥ ॐ धीं दूं महाशामवाभधनिअम्बा
याद ॥ ॐ धीं दूं महाकचनीवामधनीअम्बायाद ॥ ॐ धीं दूं महादिग्वनीवामधनी

नी अम्बाद ॥ **कों धीं दूं** महा एभचनी वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा रुचनी वाः
मे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा नसचनी वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा दंसम
ता वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा वीरमति वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा
विष्णुमता वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा सिंहमता वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों**
धीं दूं महा रघुमता वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** वीरचक्रमता वामे धनी अम्बा
याद ॥ **कों धीं दूं** महा अहोनामता वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा आहोनामता

वामे धनी अम्बायाद ॥ **कों धीं दूं** महा रेनवसिंह वामे धनी अम्बायाद ॥ ॥ उक्तं ॥
कुं कों दूं कों दूं धीकधनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** द्रवीतानाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं**
शामसनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** वनिष्ठनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** अंधकनाः
थ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** अंधनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** दलकधननाथ धीयाद ॥
कुं कों दूं कों दूं मीननाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** हयगावनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं**
कुं गकान्तनाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों दूं** रुद्रागमेन धननाथ धीयाद ॥ **कुं कों दूं कों**

ॐ गगननाथ धीयाद ॥ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं मदल नाथ धीयाद ॥ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं आसनाथः
धीयाद ॥ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं जयल नाथ धीयाद ॥ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं खवन नाथ धीयाद ॥ ॐ
क्रीं क्रीं क्रीं सिद्धि नाथ धीयाद ॥ नमस्तु याका न पूर्वसंयुक्त ॥ ॥ ततो धा उधद लया उ
धकालियुजा ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान सख्यमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं
दं स१ धीमदा ज्ञान अग्निमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान
नमूर्यमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान साममूर्ति कालि २

अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान दमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ
१ क्रीं दं स१ धीय साममूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ १ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान नरमूर्ति
र्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ १ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान क्रीनमूर्ति कालि २ अम्बायाद
याद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान उमा चिमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥
ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान यतामूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा
ज्ञान लनकली सख्यनमूर्ति कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ क्रीं दं स१ धीमदा ज्ञान

नयाधुतमूर्तिकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ कौदं सः धीमदाज्ञाननायकीमूर्ति
कालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ कौदं सः धीमदाज्ञाननलासयीमूर्तिकालि २ अम्बा
याद दूरुं नमः ॥ ॐ १ कौदं सः धीमदाज्ञानसक्रमूर्तिकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥
ॐ कौदं सः धीमदाज्ञानसुखकालिसदसुसुखमूर्तिकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः
॥ ॐ तिष्ठाउधदल ॥ ॥ नतादादुधदल ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदासलायकालि २
अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदासावनीकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः

॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदाउत्तामखीकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मः
दायवधुमखीकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदासीमसुखी
कालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदानाकसीमखीकालि २ अम्बाया
द दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदावेलाकसीमखीकालि अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ
धीँ रुँ मदाअर्तगमखीकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदाभादन
मखीकालि २ अम्बायाद दूरुं नमः ॥ ॐ १ दूँ दौँ धीँ रुँ मदाविद्याधनमखीकालि २ अम्बा

याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं महामततीमुखी कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं
धीरु महामताय नमः नमः मुखी कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ तिदा दधदता
॥ ॥ नता अरु दता ॥ ॐ दूं दूं दूं दूं अतिती गते नवाय अरु अरु कया गिनी सदिताय
वसुवती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं नवते नवाय अरु अरु क
या गिनी सदिताय नववती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं चधुरे नवस
नाय अरु अरु कया गिनी सदिताय कमानवती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं

दूं दूं कोधते नवसनाय अरु अरु कया गिनी सदिताय विष्णुवती कालि २ अम्बा याद दूं नमः
॥ ॐ दूं दूं दूं दूं उमरुते नवाय अरु अरु कया गिनी सदिताय धानवती कालि २ अ
म्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं कयाती सते नवाय अरु अरु कया गिनी सदिताय मा
ददुवती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं हीमरुते नवाय अरु अरु क
या गिनी सदिताय चित्रिकावती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॐ दूं दूं दूं दूं सदानते न
वाय अरु अरु कया गिनी सदिताय महान्नीवती कालि २ अम्बा याद दूं नमः॥ ॥

ॐ तिष्ठ अष्टदल ॥ ॥ तता अष्टान ॥ अष्टादात्रया ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ मृष्टि न्ये कालि २ अष्टाः
याद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ मृष्टला कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ
क्षिणी कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ मृष्टती कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः
॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ मृष्टिनी कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ वक्षिणी कालि २ अ
ष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ याक्षिणी कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ दौं दूँ कीं ॐ
अंक्षिणी कालि २ अष्टायाद दूँ ॐ नमः ॥ ॐ तिष्ठ अष्टान ॥ ॥ तता नवयात्री ॥ ॐ रुं रुं रुं

नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं

दौं रथत कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं नक कालि २ अष्टाया दौं दौं दूँ ॐ
नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं मं कान कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ मृष्ट कालि २ अष्टा
याद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं नाज नाज धनी कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं
रुं दौं सिद्धि यमा कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं गुम्फ दूँ कालि २ अष्टा
याद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं वज्र कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ रुं रुं रुं दौं
मृष्ट्रिक कालि २ अष्टायाद दूँ दौं दूँ ॐ नमः ॥ ॐ ॥ यक्ष अष्टाकाशदात्रय रथ कालि यज ॥

ॐ खूं खूं खूं ह्रिकालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ खूं खूं खूं ह्रिती कालि २ अम्बायाद दूं दूं
नमः ॥ ॐ खूं खूं खूं ह्रिती न कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ खूं खूं खूं अनाया कालि २
अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॐ खूं खूं खूं ताता कालि २ अम्बायाद दूं दूं नमः ॥ ॥ ततायिका
पूजा ॥ ॐ खूं खूं अति या नमदायी ॥ ॐ खूं खूं अलमंगला कालि अम्बायाद ॥ ॐ खूं खूं अलधन
मदायी ॥ ॐ खूं खूं अलमंगला कालि अम्बायाद ॥ ॐ खूं खूं पूरुगिनिमदायी ॥ ॐ खूं खूं पूरुमंगला कालि
अम्बायाद ॥ ॐ खूं खूं कामवृषमदायी ॥ ॐ खूं खूं काममंगला कालि अम्बायाद ॥ ॐ ततिविकायपूजा ॥

नमः ॥ ॐ खूं खूं मदायन जाय लादा ॥ ॥ तत ४ य के हाता क व ध पूज यत ॥ य
व कालि मय विद्या नयू जयत ॥ ॥ देवा पूजा ॥ खूं खूं खूं द द या य सर्व स्नाता भ
के नमः ॥ खूं खूं खूं विनसि नये ह फिता ध के नम लादा ॥ खूं खूं खूं विखाये अना दया
धिती ध के वषट् ॥ खूं खूं खूं क व या य स तनु ता ध के दूं ॥ खूं खूं खूं नय य या य तिया
तय ध के वषट् ॥ खूं खूं खूं अम्बाय अनन ध के रुट् ॥ ॐ ततिविकायपूजा ॥ ॥
तता आसन पूजा ॥ ॐ १ वरुयग मधु सनाय नमः ॥ ॐ १ वरुवद मधु सनाय नमः ॥

ॐ १ ह्रिं सिं हा नमः ॥ ॐ १ वक्ता विष्णु नृप दधन ददाति वाय यं च हतात्मनः
क काला सनाय नमः ॥ ॐ १ कूं रे न वा सनाय नमः ॥ ॐ १ कूं रूं ह्रिं वा सनाय नमः ॥
न तां ध मृज्जा ॥ ॐ १ कूं कूं वि द न्नाय नमः ॥ ॐ १ सं ४ कया लाय नमः ॥ ॐ १ कूं रूं ख न
क्राय नमः ॥ ॐ १ आं या ध मय नमः ॥ ॐ १ कूं कूं नमः ॥ ॐ १ कूं ख द्वा ग मय नमः ॥ ॐ १
कूं ध नू य नमः ॥ ॐ १ कूं म धु य नमः ॥ ॐ १ कूं च का य नमः ॥ ॐ १ दं द्यं य नमः ॥ ॐ १
कूं वा ल य ता य नमः ॥ ॐ १ ग्रीं रं ला य नमः ॥ ॐ १ दं कं का ला य नमः ॥ ॐ १ कूं न क ला

य नमः ॥ ॐ १ ह्रं स र्वा य नमः ॥ ॐ १ कूं कृ टि य नमः ॥ ॐ १ कूं वं ध मय नमः ॥ ॐ १ कूं रूं
ष उ ह वा य नमः ॥ ॐ १ आं उ ति का य नमः ॥ ॐ १ नां व क्रि या वा य नमः ॥ ॐ १ कूं वि द
धु य नमः ॥ ॐ १ यौ व मृ ट्ठ वा य नमः ॥ ॐ १ ग्रीं मृ द्वा य नमः ॥ ॐ १ ह्रं सिं हा य नमः ॥
ॐ १ यौ व मृ द्वा य नमः ॥ ॐ १ नां मृ द्वा य नमः ॥ ॐ १ रूं उ म नू का य नमः ॥ ॥ न ता द
क्रिं ॥ ॐ १ ग्रीं वि द न्नाय नमः ॥ ॐ १ कूं रूं क र्ति का य नमः ॥ ॐ १ कूं त र्जु य न
नमः ॥ ॐ १ कूं मृ कृ णं य नमः ॥ ॐ १ उं द धु य नमः ॥ ॐ १ रूं क ल धा य नमः ॥ ॐ १ कूं

विष्णुलायनमः॥ॐ१ ह्रीं वाष्पायनमः॥ॐ१ कौं यक्षायनमः॥ॐ१ गं यक्षकायनमः॥
॥ॐ१ मं कृतायनमः॥ॐ१ ह्रीं यात्रिजातायनमः॥ॐ१ ह्रीं कृतिकायनमः॥ॐ१ धौ
तामनायनमः॥ॐ१ ह्रीं यथामालायनमः॥ॐ१ व्रं तिष्ठिमालायनमः॥ॐ१ यौ गृध्रा
यनमः॥ॐ१ यौ खलिकायनमः॥ॐ१ कौ वड्येनमः॥ॐ१ कौ वृकमधुलेनमः॥
ॐ१ वषट् ध्रुवायनमः॥ॐ१ ह्रीं पाधुयथेनमः॥ॐ१ कौ नद्यावर्त्तायनमः॥ॐ१ ह्रीं
कृधुलायनमः॥ॐ१ मीमं ध्रुवायनमः॥ॐ१ ह्रीं मधुयथेनमः॥ॐ१ ह्रीं रुलायनमः॥

ॐ १ धौं धूत्येतमः ॥ त्रिचतुर्थ्याद्यधमसंयुक्तः ॥ १४ ॥ ॥ तत्रावकुपुजा ॥ खूं
 दां चधुया (गधनी) धौं धौं धौं ४ चधुया (गधनी) निर्वाहधी कालिकादवीधीयाद
 ॥ उद्ध ॥ १ ॥ खूं चधुकायातिनीमदाकालिसिद्धिधी कालियनासिंदवकुसिद्धिकाति
 धीयादकी ॥ २ ॥ आं खूं ही त्रिध्या गया उर्वदासधियावकु कालसंकर्षणीधीयाद ॥ ३ ॥
 दां दां धौं खूं उचमदासया (गधनी) कयिवकु कूडिकाधीयाद ॥ ४ ॥ दू धूं खूं उ
 चदासया (गधनी) कालवकु जमनधनीधीयाद ॥ ५ ॥ मूं दू दू सो खूं

रगध्वनी वधु मदाता कवकु धी मूद नी धी याद ॥ ३ ॥ नूं खूं दूं प्रूं मदा वधु यो नि
 ध्वनै याम क न व कु स का नि धी धी याद ॥ ४ ॥ कूं प्रूं कूं कूं खूं उ च या गध्वने
 नी दा म य ली गि ना ग ज व कु धी याद ॥ ५ ॥ दां कूं खूं खूं खूं ग या नि ध्व म दा
 द य व कु सि धि या ग ध्व नी धी याद ॥ ६ ॥ उं १ कूं सि धि क ना ली म दा व धु थूं
 धूं कूं काल य द नि यु क का ली न व व कु धी याद ॥ ७ ॥ ग य य ॥ खूं काल ना
 ग वि न द काल स क र्ष धी धी म द व ना काली य वा द या त ॥ ८ ॥ मूल म व ध

द वी यू जा ॥ ३ ॥ धा उ धी ॥ ४ ॥ स य द धी ॥ ५ ॥ न वा क नी ॥ ६ ॥ न त ४ मूल ध ता क नी ॥
 १०० ॥ स द सा क नी ॥ १०००० ॥ न वा क नी स त र्थ स धा न ॥ १०६ ॥ रा ग वि या ॥
 उं १ न मा म दा मा य दूं कूं जे ला क ग न क क व २ सि धि २ कूं धा न य २ पू र ध न धा न्य न
 त म व धु दि न ध्य दा ना क द स म दा म दि द द स म दा मृ ति गे नी उं ना ग सो रा न
 ग्य स र्वा न दि स नु स र्व क र्म क नि सि धि चा म धु यू न य २ कूं स र्व स नो न थ न स र्व
 स य दान् व र्म २ कूं या त य २ स र्व ध र्म य द द म दा नि धि द द पू र ध ना यू सो रा ग्य द द

मदा म धा सो ३

[illegible]

क्र२ सादा ॥ ॥ नं गूं कां कां गूं विनिगधयतय सादा ॥ धूरं खितयं नागाखी उठितं
 विघ्नदात्रिधं कृषनमाद ॥ काकर्थं दत्तदत्तं नमाप्यदं ॥ ॥ कां कां कां यतासतः
 धीयाद ॥ नं कां धी रूं कां सत्ता नकं उया ता य सत्ता नाधिकयमससिद्धि यदा तव सर्वे
 दार्थधनक्र२ ॥ सां धू जीवति गृ क्र२ सादा ॥ ॥ दूरं दूरं सां सत्ता नकं उया ता य नमः ॥ दिः
 गमनं धूलतर्कं यालकृषायवितितं । सत्ता नकं उया ता य नमः ॥ ॥ धी रूं दवर्धं निविर्धं कृ न सत्तनं ॥ ॥
 नं कां धी रूं तनाधनाय धी याद ॥ नं कां धी रूं नमः ॥ कृषालकं उया ता य अक्षकस

दिताय एह दि सर्व समय लात न कौ कर २ सर्व सिद्धि द दि २ धीरु का सी कर २ अवन व २
हुं ऊ २ मू २ कां क ४ अमाध व न य रु रुट का दा डा रुट स्वादा ॥ कां कौ कृष्ण कृत कृ
या लाय श्री नमः ॥ कृष्ण कृष्ण कृत नो द न क ना ति विष्णु न क । धन य न म दा की म क
गु धा ले न मा म्य द ॥ ॥ कां कौ रू म दा सर्व रु त त्या । सर्व या मि त्या । म दा सर्व मा त क त्या
म दा सर्व अ कि नी त्या । म दा सर्व रु त रु ति नी त्या । म दा सर्व ख ज नी त्या । सर्व था म द्या था
म णी त्या । म दा सर्व म ला य का लि नी त्या । म दा सर्व स नू य दा वि नी त्या ॥ सी यू जी व ति

ASHA ARCHIVES	
891	

ASHA ARCHIVES

४५३

४५३

४५३

1000



गुरु २ खादा ॥ **कुं नमः** सर्वकारे उव नय ४ सर्वय ४ श्री महाधी च चक ला नमः ॥ ॥ उर्द्धः
बुद्धाधुता वा दिविगगतननं. हृतल ४ निकलया. यातालेवामलवा. सत्रिवयवतया
अवकृ उक्तिता वा ॥ कृयायी १० ययी १०. दिम्वरुतयदा. यथधूयादिकत. पीतादः
या ४ सदान्. धुतवतिवतिविधिना. धूजितासदुतिर्य ॥ ॥ **ॐ तिवत्या चनेकला** ॥
मूलयागुह. धीदर्थेन. यैचकाली. मूलदवी. सप्तमकुलधूजयत ॥ ॥ **तता महाया**
तिमूदी. **ॐ** रुट्कालन. ललिहानमूदीदर्शयत् ॥ **यतः ४ ॐ** संधूयायतमः ॥ **ॐ** दीय

नमः ॥ महास्त्रियवाल ऊयमाला ॥ सकदलकनी ऊयत ॥ १०४ ॥ ॥ **स्त्राय ॥ कुं नमः**
४ श्री मंगलाये ॥ सर्वकृयाधितार्थ. ऊगतखिलदना. हेनेवाविध्यकर्त्ता. गार्भगाक्षल
चक. सकनगधगुर्. यागिणीचक ऊष्टा ४ ॥ आनन्दाविध्यता ॥ वनदसूचित
षडुहीनिर्गुह. नूयासाततिनूय. यिरुगतसदित. गदिमीकययाती ॥ ॥ **दुवका**
दिवियविठु ॥ मातादनायाधनी. कव्यालाकसूदीयसादिवसित. कृण्वनेकगुण
मीमाकयवसकसादसयना. लकीयताकधना. हयर्कवतिकर्मना. कृगवती. सी

तथैयूजाविधिः॥ पूर्वदक्षिणयध्विमातुनं. शिवायूवातमायायाका. कण्ठवदूदग्ने
हृतगदना. हनन्वताथयेदे॥ धमनाध्वनमादिदेवविह. सधमाकादिदू४खायदा
निहानमासिमुखदा. वल्लादिपूजाविधिः॥ ॥ अष्टधमनातद्यतधानर्गशीनवा
शी. वतावधानगुटिकी. ऊतसिद्धिदायी॥ धीगुक्कालियनमध्वनिशीमनूयाति
त्येनमासिकमला. धनसंगलाखन॥ सुस्मिताऊयकर्न. नविचलुविर्च. धृत्वा
धमवलयासिधममुकासु. वदायूगमदिगयति. यनयचधेवा. तयस्मिताऊयः

तिस्मिन्कनीमदधा॥ स्मितावदादिमध्वदधतिकनयतो. वक्तककावीर्षी. धमासर्व
यूधी. मतसिऊववदा. न्दूरसर्वर्तिनासं॥ धमास्मितायदाताधनकनकयदा. वि
धनूयाकृताधी॥ धयस्मितायसिद्धा. ऊगतिग्रनमूदा. विधनूयाविधता॥ गमवि
न्दधंभुतार्न. दधतिकलयता. सैदना. धमविर्च. सानन्दायागयूका. विदधति य
नमी. रावकृताविधमा॥ विन्दवानादयूया. नदतिद्यतनवा. धानयायचधमा.
धीमदवी. ऊयन्ती. ऊगदखिलतना. रावतिराविदवी॥ कालाग्निविधितायनो

दयनसा विष्णुसिंहा सर्वगम संसा नाहुव - मूद्रतजगत्का नूधरावात्मना । याः
द्वीपनरावयाकनयता मत्तनधमाधुता सोताग्न सखदावियर्तिद्वनधमा साना
स्थलकिर्जयः ॥ तार्कसंवनमाया सकनदयक यिअक (गमसाय सिंहा तानाः
ह्याया विधया दधतिकनयता नलमाता दितृया । तानादृखयदली विविद
धरयदना धानयाययदका सासायौदवीयसिद्धा जयतिजयकनी (गमया (गम
म्यायनधी ॥ विधधीलयकालिरुगवति बुक्ता दिवासाकना क्रियादि कयतखधी

रवकूल धीरेनवायायना ॥ ततस्कावनजगमादिजगती लीनेकध्ना नासिका स्थान
धीयनकनायनधिया धीमंगलायादुमी ॥ ॥ तनसकसु जगत्सात सदासाया
खनूयिधी ॥ यासाककागिकदना दूकिता जेतं नूयिधी रुक्माननिनयादवि रु
क्मानवावनूयिधी रुक्मानकननाधका तत ४ रुक्मानमातन ॥ मूकददतिनालभ्य
यनायनयनधियं एकाकितीविधसात तमातिबोधदायिक ॥ अददाददददूयिध्मा
गुलउयविकागिनि मंगलायेतसकसु तमामंगनदायित ॥ सदाकधुलिनितिः

नं पापमक्षत्रवृषिणी मन्त्रकरुदितीयाय मंगलाये नमः । एकाकिनी विध्यमा
तं कालिमधुनसं स्मृतं कालियचक्रमनित्यं विध्यलक्ष्मी नमामुतं ॥ का न कालिनी
नित्यं दू का न यत्रिनादितं ॥ का न तादसं रतं नमस्कृता नमामि ॥ अयमंगलमासा
मं कय काला न कालद ॥ अयलक्ष्मी अयं हृतं अय कालि नमामुतं ॥ गजवक्र नमस्कृ
नमस्कृ वद का यत्र ॥ कं अया त नमस्कृ काला सत नमामुतं ॥ न क कालि नमस्कृ ॥ इय
त काली नमामुतं ॥ महा कालि नमस्कृ ॥ मयू काली नमामुतं ॥ रड कालि नमामि

त्यं यत्र कालि नमामुतं ॥ मार्तण्ड कालिका देवी नृद कालि नमामुतं ॥ दं स कालि नमस्कृ
मु काल कालि नमामुतं ॥ आ म काली सूर्य काली नमस्कृ अय कालिक ॥ मृष्टि कालि न
मस्कृ मु स्मि ति कालि नमामुतं ॥ सै द न कालिका देवी नमामुतं कान वृषिणी ॥ अना
ख्याये नमस्कृ मु रा सा कालि नमामुतं ॥ गु म कालि नमस्कृ मु नमस्कृ विध्य मात न
अतिरु अ उ गताते सिद्धिदाये नमामुतं ॥ न नद क म हा काली नील जी मूत स
निता ॥ मृक्ष क न हा ता इ के दा द ह्ये नृ प र सा रिता ॥ स का विं हा ति मृ धु हा ना

नामसु सखातिता ॥ सिंह रुक्मिणी ॥ तार्कमकनदतिनी ॥ दयंतनमस्वे ॥ का
लि सखीमाये सयुजिता ॥ मकानमातिनी सखा ॥ एकानधी धनी कृता ॥ निर्वीर्य
धी खमा नृता ॥ रुक्मान्मतिकालिका ॥ रुक्मान्महा माया ॥ मकानमादिनिस्त
ता ॥ हाकान्मन्त्रिकादवी र्चकान्मन्त्रधुर्धिका ॥ धकान्मन्त्रिणीयाका ॥ उका सदा
मनी सृता ॥ यकान्मन्त्राय कालीच ॥ अकान्मन्त्रदमाहका ॥ गकान्मन्त्रगगलधीच ॥
कान्मन्त्रदमाहका ॥ धकान्मन्त्रवनीयूया ॥ वकान्मन्त्रवनीयूया ॥ नीकान्मन्त्रिणीया

सखा कालिचक्रयकासिति ॥ गगनाथतक्रयच ॥ वदकतसमन्विता ॥ वाक्कीमाद
मादधनी सान्दी वेषुवी दीर्घताहिका ॥ वजिनीचक्रिकादेलक्की ॥ यचवक्रयवसिता ॥
रुक्मयका उगसर्व ॥ महकाका सनूयिणी ॥ यासाक कानिनी काली ॥ कालसंकर्षणी
नमः ॥ यचवक्रयच ॥ यचवक्रयच ॥ यचवक्रयच ॥ यचवक्रयच ॥ यचवक्रयच ॥
नमः ॥ यासमसाकनक्रया ॥ नाताकान्मन्त्रदमाहका ॥ हाकान्मन्त्रगगलधीच ॥
संकर्षणी नमः ॥ लतीसमानसहता ॥ लतीसमानसहता ॥ लतीसमानसहता ॥

तां कालसंकर्षणी नमः॥ अलातचक्रवर्द्धिर्ध्वं कीर्तयन्ताम्यतयया। तां कालयासः
निवर्ता कालसंकर्षणी नमः॥ वक्राक्षिकाष्ठिलक्राक्षि रत्नमसाकृतजया। तां का
लयासवर्षिकी गुह्यकालि नमाम्यहं॥ तौमिकालीकनालाष्टी यक्षनावतिराश्र
नी। कीर्तयन्ताम्यकनाचिणी वक्राक्षवर्द्धमासिकी॥ ॥ॐ तिसायास्तव॥ ॥
॥ॐ पुनरावर्तय॥ ॥ तथीतांगतनाथकृतवदकं यागित्यत्रामुष्टिका या॥ यत्र कसत्र
चक्राकृतिलया कोथनित्याकालिका॥ तां सर्ववलिनायतिदिनं संपूजिता॥ ॥

इत्यासीतनुयत्रमध्वनी रगवती धीगुह्यकालियनी॥ ॐ ॐ यावकसहस्रिकावपुष्पाव
सितायना॥ यद्युपागरकसकनी तद्युवलि कर्मणा॥ यावउत्ताना॥ धुवितकली अनि
रकली॥ ॐ॥ वलिविसर्जुन॥ संहानमूडी॥ ॐ ॐ रुट् ॥ ॐ ३ रुट् ३॥ ॐ ॐ रुट् ०४ रुट् ॐ
३ रुट् कावत्रयं कथात्॥ ॥ निर्मालीयुगदयत॥ अदिक्रितेनदातयी निर्मालीका
निकान्वय॥ वृक्षारवतिहादवी कालिकायनमध्वनी॥ यत्र निथीतवाष्टयी नयकाष्टीकदा
चन॥ ॥ॐ तिकालिकलसहावउत्तानद्वीसामहसिकयष्टितिसामा॥ ॥

१००॥ सिद्धिस्तु ॥ मया वनधयूजा ॥ तता मूलस्थामिति यत्रिवा नयूजतार्थ ॥ आरुणार्थ
यित्वा यत्रिवा नयूजयत् ॥ दवं शिरुकि मूनरं यत्रिवा न समन्वितं यावस्त्रीयूजयि
श्यामि तावत्तं मूलिना हव ॥ मूलतवाकनीत पंचांजलि ॥ वामनतत्वमूदयातर्थं ॥
दकिराननस्तनमूदयायूजने मूलदद्यान्नूझीगृहीत्वा ॥ मूलदवीवदावाहनाय
यंवावातविधाय वामनाच्चिकायुक्तं शुद्धिखर्चुंगृहीत्वा ॥ यातामृततसदतर्थं
दकिधायुक्तं तर्जनीमध्यमादिनक्रतकूममादायकनयूगनयाजतनयूजयत् ॥

तता कम ॥ ॐ ॥ कूलगलयतिनाथ ॥ यादूकीयूजयामितर्थयामिनमः ॥ ॐ ॥ कम
गलयतिनाथवालराज्मयायादूकीयूजयामितर्थयामिनमः ॥ ॐ ॥ कमवदकनाथ
॥ यादूकीयूजयामितर्थयामिनमः ॥ ॐ ॥ कमवदकवलराज्मया ॥ यादूकीयूजया
मिनमः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ कावयी ० ॥ यादूकीयूजयामितर्थयामिनमः ॥ ॐ ॥ दृक्
कत ॥ यादूकीयूजयामितर्थयामिनमः ॥ ॐ ॥ सर्वसिद्धाविधी ॥ यादूकीयूजयामित
कीयूजयामितर्थयामि ॥ ॐ ॥ सदाकतवीनक्षत्र ॥ यादूकीयूजयामित

र्यया मितम॥ **डोंछों** सकलसंदा नवल राकठ कंययाल **धी** यादू की पूजया मितर्यः
या मितम॥ **डोंछों** तदल रा अम्मा **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ ॥ तता द
वीथा ॥ **य॥** **गुरु** कमी ॥ **डोंछों** वीन ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** दध
कन्द ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** कोध मूनि ताथ **धी** यादू की
पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** वसिष्ठ मूनि ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मि
नम॥ **डोंछों** जय दध ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ ॥ एत रुदि योद्य ॥

डोंछों कंकाल उम्मी अम्मा **धी** यादू की पूजया मितर्यया मि॥ **डोंछों** मारंगी अम्मा यादू
की पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** वीना वलि उम्मी नी अम्मा यादू की पूजया मितर्यया
मितम॥ **डोंछों** विठु वनानन्द ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** विन्
जय ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मितम॥ **डोंछों** गरी नन्द ताथ **धी** यादू की पूज
या मितर्यया मितम॥ **डोंछों** रुदा गोवधन ताथ **धी** यादू की पूजया मितर्यया मि
नम॥ ॥ तिलि डोद्यी ॥ ॥ अत नन मान योद्यम॥ **डोंछों** यका नन्द ताथ **धी** यादू की

[illegible]

तता द्वादश दत्ता ॥ नंदो घोखुं निवादवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥ ॥
नंदो घोखुं रगवती दवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घो
खुं माया दवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥ नंदो घोखुं रुद्रा दवी अ
म्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं किंकिनी अम्बा यादू की
पूजया मितर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं विजली दवी अम्बा यादू की पूज
या मितर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं यमजिह्वा दवी अम्बा यादू की पूज

या मितर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं अरु कर्षणी दवी अम्बा यादू की पूजया मि
तर्थया मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं घटा दवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मि
नमः ॥ ॥ नंदो घोखुं जोनमाता दवी अम्बा दैवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया
मितनमः ॥ ॥ नंदो घोखुं उत्तुकी दवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥
॥ ॥ नंदो घोखुं कनकिनी दवी अम्बा यादू की पूजया मितर्थया मितनमः ॥ ॥
नत द्वादश दत्ता ॥ तता द्वादश ॥ नंदो घोखुं महाकमल वसुती नोदमूरख जां जां

कीधीकाक मूखीदवीधीयाद्रकीयूजयामितर्ययामिनम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** चीवतु
मूखीदवीधीयाद्रकीयूजयामितर्ययामिनम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** टोकानीदवीधी
याद्रकीयूजयामितर्ययामिनम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** धीतायिनीदवीधीयाद्रकीयू
जयामितर्ययामिनम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** दूधीयावकीदवीधीयाद्रकीयूजयामि
तर्ययामिनम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** ये४ यमघी०दवीधीयाद्रकीयूजयामितर्ययामि
नम॥ ॥**जेंडोंघोंखें** सोनिवाद्रतीदवीधीयाद्रकीयूजयामितर्ययामिनम॥ ॥

जेंडोंघोंखें क४धीकयंकनीदवीधीयाद्रकीयूजयामितर्ययामिनम॥ ॥**यूजो**
नया॥**नयययंनयूजयत॥** ॥**सादी** ततामजानम॥**धपरा** दिवाम॥**जोंघों**
खें कनकिधीअवाधीयाद्रकी॥**जोंघोंखें** काधिनीअम्वाधीयाद्रकी॥**जोंघोंखें** स
कर्मलीअम्वाधीयाद्रकी॥**अग्रदिदक॥** ॥**जोंघोंखें** सलिदानाअवाधीयाद्र
की॥**जोंघोंखें** खचनीअम्वाधीयाद्रकी॥**जोंघोंखें** सेनवीअम्वाधीयाद्रकी॥**जत**
मजानयूया॥ ॥**विका** वाम॥**जोंघोंखें** जेवकवेनाचनीयद्ररुद्रखादा॥ ॥

विष्णुकि॥ ॥ अथ को॥ ॥ ॐ को वगता मरुती सर्वदृष्टानी वा वरुं तय जिह्वा की लः
य २ वृद्धि नाथ यज्ञां ॐ सादा ॥ वक्रा मुं ॥ ॥ दक्ष को॥ ॥ ॐ को ना ऊ यद ॐ उयः
य ६ नियम दसै तिद ॐ सदान क २ ली मां रं स ४ म ल्य द न या द की ॥ ख झा पुं ॥
॥ ॥ को धां रं खिनी अम्बा या द की ॥ ॥ को धां रं वि वा दू ति अम्बा धी या द की ॥ वाः
म ॥ को धां रं सर्वज्ञा ता भ कि द द या य त म ४ ॥ आ ग यी ॥ को धां रं नित्य तृ कि ता भ कि धि
व स त म ४ ॥ ॥ नमन ॥ को धां रं अनादि वा धि ता भ कि धि खा य त म ४ ॥ ने म ली ॥ को धां रं

स तनु ता भ कि क व चा य त म ४ ॥ वा यी ॥ को धां रं नित्या तृ क ध कि न गाय त म ४ ॥ पूर्वा य
म ६ ॥ को धां रं अत ना भ कि अम्बा य त म ४ ॥ य धि मा रु ना क ना ल ॥ ॥ त मा नु ना ल
स मु द ध के ॥ ॥ को धां रं व न द ना थ धी या द की यू ज या मि त म ४ ॥ पूर्व ॥ को धां रं अ
रु य ना थ धी या द की यू ज या मि त म ४ ॥ अ ग ॥ को धां रं क ल म ना थ धी या द की यू ज
या मि त म ४ ॥ या म्य ॥ को धां रं ख द्दी ग ना थ धी या द की यू ज या मि त म ४ ॥ ने म ली ॥ को
धां रं मू ध ना थ धी या द की यू ज या मि त म ४ ॥ य धि म ॥ को धां रं वि धू ल ना थ धी या

मिष्टुजयत॥ ॥**कुं** अष्टाष्टिद्विलक्ष्मीमालामुखं श्रीधनमविजृम्भयन्तु यद्वा सिद्धिः
द्विलक्ष्मीदेवता **धूं** वीजं साक्षात्किञ्चयवितियागः॥ ॥**कुं** नमः सर्वसिद्धियागिन्
नाथा तमानिया **कुं** दिताय नन्दनदिताये एकलकलत्रकनाये रगवत्ये त्रधुकाः
यातिन्येतयथा **कुं** **कीं** **कुं** **सां** **कुं** **कं** **कां** नमः **कुं** यनमदसि तितिर्वाधसार्गद विविधमायय
वयममनिसकलद्रुतितात्रिकृद्दत्तनिर्वायदीनाधितत्रति सकलद्रुयमथ निद
विआगक **२** हस **२** वरा **२** ननूध्रिना सुवसा रकसिमसखरुत्तद **२** खादि **२** विष्टुल

वत्समः

नसिद्धि **२** स्वकृतता उय **२** कदय **२** तावय्यैकलसनात्रथी साधय **२** यनमकात्रनि
रगवतीमहासे नववृयध्रिणी विदधवन्नमित सकलसमुमात **२** यधतजनव
स्तदवीमहाकालिकालनाधनि **२** **कुं** **३** यसीदमदताउनीकन **२** सनासूनकन्या **कीं**
कीं **२** **कुं** **३** सादा॥ वलि॥ ॥**कुं** **कीं** **धूं** **कुं** **सां** **कुं** **कं** **कां** **३** युक् **४** तत्रयकटनी या न
गिन्य **४** श्रीतेनवक्रे यपालगधवदकादयस्मन्मनवातिना सर्वसर्वासायूनत
कधीसिद्धिबुकसमदा **४** ससिद्धय **४** सायधा **४** स्वादना सयनिवानाय

रिमतरुत्तदाभाकलक्रीयदाता ॥ अर्गंधादि ॥ ॥ इति मन्त्रायाः प्रथमा ॥ ॥
तथायाः साधनः ॥ वित्तं त्वं न ग्राहय ॥ युक्तं न मत्कान ॥ न्यास ॥ अस्त्रयाः अर्घ्याः
उत्तरं तुष्टात्तयुजा ॥ कृष्णयाः ॥ अर्घ्यं सत्कान ॥ मूलं न नित्रिकर्ष ॥ अर्घ्यं यथा
कृष्ण ॥ अर्घ्यं ताः उत ॥ कृष्णं न अर्घ्यं ॥ यथा कृष्ण ॥ यथा सत्कान ॥ अर्घ्यं
स्तान ॥ अर्घ्यं सत्कान ॥ कृष्णयाः ॥ सत्कान ॥ गायत्री न ॥ यथा सत्कान ॥ विन्दुः
विकीर्णः ॥ कान्तिर्लक्ष्यत ॥ कृष्णयाः ॥ धूपवाः सत्कान ॥ यामिनी न ॥ यथा

याः सत्कान ॥ कृष्णयाः ॥ अर्घ्यं ताः यथा कृष्णयाः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥
न ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥
कान्तिर्लक्ष्यत ॥ कृष्णयाः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥
अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥
दयाः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥
यन्तामदादयाः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥ अर्घ्यं ताः ॥

नमः स्वादा विवर्तते यन ददं साधया मिखादा ॥ ॐ कौं कौं कौं कौं जूं जूं ॥ कं खं ३
ॐ विवर्तते मिखादा विवर्धन सृष्ट विद्या साया कला अविद्या नाग कालि नियति यन स
यं कृति अर्द्ध का नमना वृद्धि (धन त्व क वृद्धि जिहासा ध वा क या लिया द वा य य रु ध
दृष्ट्यर्थं नृयन स र्गंध आकाश वायु ते ऊ य धि वी त त्वं मूल मनु १३ सर्व त त्वं न सृ
तं जी तं साधया मिखादा ॥ ॐ तित त्व साधन विधि ॥ ७ ॥ १ ॥ ॥ ॥

रतताय धियू जा ॥ तं खन स न च त सिद्धि सा न तं ॥ थम न्या स या य ॥ ॐ ह द या दि य उं ग ॥ वि यी
ज लि ॥ ॐ कौं कौं कौं कौं कौं ॥ ॐ ह द या दि य उं ग न यू जा ॥ ॐ कौं कौं २ व क ध्व नि ला द
धु यन स ॥ आ वा क (धन मू जा ॥ जा य ॥ हा य ॥ ख द्वा य ख न ता ध य ध कि का र्था य ता य न ॥ य
धु क र्थं त्व या धी धी ख न ना र्थं न मा मु र्तं ॥ ॥ रता य धु यू जा ॥ द ग म वा य का व दं द स नि व र्क न या
या ॥ ॐ अ म्बा य रु द ॥ व लि वि य ॥ रता य वि वि क्ष का ना त्या दि ॥ ॐ दे व ति ग रु २ स्वा दा ॥ म ता वि
या व व लि की य ॥ ॥ द ग म रं ख न दा य ॥ व र्क सा न त य ॥ ह्या क क या त ॥ व र्क सा न वि य ॥ न्या स ॥
कौं ह द या य न स ॥ ॐ ह्या दि य उं ग न न्या स द ग म वा क यू जा ॥ ॐ कौं सी ल्य ति क ना य न स ॥ ॐ नि न
स ॥ ॐ कौं सा ति क ना य न स ॥ मि त र वा स ॥ ॐ कौं नि र्द र्कि क ला य न स ॥ द ग ० स ॥ ॐ कौं वि या क
ना य न स ॥ कृ ग ० स ॥ ॐ कौं य ति क्का क ला य न स ॥ कि र स ॥ ॐ कौं आ त म त्वा य न स ॥ कृ ग ० स ॥

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः । श्रीगणेशाय स्वाहा । श्रीनारायणाय स्वाहा । श्रीविक्रमाय स्वाहा । श्रीसूर्याय स्वाहा । श्रीशिवाय स्वाहा । श्रीहनुमान्स्वाहा । श्रीकृष्णाय स्वाहा । श्रीरामाय स्वाहा । श्रीलक्ष्मणेय स्वाहा । श्रीबालेय स्वाहा । श्रीजयदेवाय स्वाहा । श्रीधर्मराजाय स्वाहा । श्रीअर्जुनाय स्वाहा । श्रीभीमसेनाय स्वाहा । श्रीउग्रसेनाय स्वाहा । श्रीनिर्मलाय स्वाहा । श्रीसुन्दरीय स्वाहा । श्रीद्वैपायनीय स्वाहा । श्रीपद्मेय स्वाहा । श्रीचन्द्रिकाय स्वाहा । श्रीतारकाय स्वाहा । श्रीकल्याणाय स्वाहा । श्रीविष्णवे नमः । श्रीब्रह्मणे नमः । श्रीमहेश्वरे नमः । श्रीपरमात्मने नमः । श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ASMA ARCHIVES	
891	
Rajawade Samak	

วิมลจินดา